डॉ. राकेश कुमार शर्मा

जन्म-स्थान : गांव कप्हाड़ा, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

शिक्षण-अनुभव : 22 वर्ष (जनरल जोरावर सिंह महाविद्यालय, धनेटा / नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्मारक राजकीय महाविद्यालय, हमीरपुर / सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मंडी)

पीएच.डी. : 'जनरल जोरावर सिंह व्यक्तित्व एवं कृतित्व : एक मूल्यांकन'

शोध-निर्देशन : एम.फिल. उपाधि के लिए अब तक 16 विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

फैलोशिप : भारतीय इतिहास अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा

प्रकाशन : इतिहास-मानचित्रों की 5 पुस्तकें / अनेक राष्ट्रीय शोध-पत्रिकाओं में निरन्तर उपस्थिति

सम्प्रति : सहायक आचार्य, इतिहास विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मंडी, हिमाचल प्रदेश / सम्पादक - 'इतिहास दिवाकर' (शोध-पत्रिका), ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान, नेरी, हिमाचल प्रदेश

सम्पर्क-सूत्र : 7018113630, 9418107730

rakesh.sharma9131@gmail.com

विगत सात दशकों में सरदार वल्लभभाई पटेल पर अनेक ग्रंथों की रचना हुई है और अब इतिहास के अध्येताओं के लिए विभिन्न संस्थानों में इतनी सामग्री उपलब्ध है कि वे भारत के स्वतन्त्रता-समर में उनके अवदान से जुड़ी घटनाओं पर बहुत काम कर सकते हैं। सरदार पटेल के भाषण भी समेकित रूप में हमें एक स्थान पर मिल जाते हैं। फिर भी यह अनुभव किया जा रहा था कि पटेल के सन्दर्भ में एक ऐसा संकलन तैयार किया जाए, जिसके आधार पर भविष्य में उन पर काम करने वाले अध्येताओं के समक्ष चिन्तन के कुछ नए आयाम उद्घाटित हों। इस मन्तव्य से देश के लब्धप्रतिष्ठि मनीषियों, जो कुछ नया सोचने व करने की क्षमता रखते हैं, से आग्रह किया गया कि वे सरदार पटेल को मौलिक दृष्टि से देखकर उनके विषय में अपने विचार लिखें! इस आग्रह का सुफल इस स्थापना के रूप में सामने आया कि सरदार पटेल कांग्रेस पार्टी के एक कार्यकर्ता ही नहीं, अपितु वे स्वतन्त्र रूप से एक 'अहिंसक एक्टिविस्ट' थे और उनके जीवन-दर्शन का आधार था राष्ट्र प्रथम!

निश्चित रूप से यह पुस्तक हमारे लिए एक नवीन विचार-पुंज लेकर आई है, जिसके प्रभाव में लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल आधुनिक भारत के निर्माताओं की प्रथम पंक्ति में ही नहीं अपितु प्रथम पंक्ति में भी प्रथम स्थान पर आरूढ़ होंगे।

डॉ. राकेश कुमार शर्मा
संपादक

देवयानी पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
781, ग्राउंड फ्लोर, बागवान अपार्टमेंट, सेक्टर-28, रोहिणी,
दिल्ली-110042 दूरभाष : 09868773692
E-mail: devyanipublishers1982@gmail.com

₹550
ISBN : 978-93-93751-01-0

लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल
जीवन-दर्शन व राष्ट्र-निर्माण में भूमिका
संपादक : डॉ. राकेश कुमार शर्मा

लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल

जीवन-दर्शन व राष्ट्र-निर्माण में भूमिका

संपादक
डॉ. राकेश कुमार शर्मा

सरदार पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व को लेकर अकादमिक जगत् में पिछले कुछ वर्षों से अतिरिक्त उत्साह देखा जा रहा है। ...अंग्रेज़ी शासन के खिलाफ़ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा की गई कॉन्स्टिट्यूशनल फ़ाइट के चलते अनेक अग्रणी नायकों को स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हाशिए पर डाल दिया गया था। सरदार पटेल उनमें से एक हैं..! इसका नुकसान यह हुआ कि नई पीढ़ी स्वतंत्रता संग्राम को उसकी समग्रता में नहीं पकड़ सकी।

...सरदार पटेल कांग्रेसजनों द्वारा देश के पहले प्रधानमंत्री चुने गए थे लेकिन प्रधानमंत्री बन नहीं पाए।...यदि वे अड़ जाते तो संसार में यह संदेश जाता कि अंग्रेज़ों के जाते ही भारत में सत्ता की जंग शुरु हो गई। इसलिए उन्होंने महात्मा गांधी द्वारा परोक्ष रूप से संकेत कर देने मात्र से प्रधानमंत्री का पद छोड़ दिया। सरदार पटेल जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति थे। उनके भारत की जड़ें उसके सनातन इतिहास व संस्कृति में निहित थीं..।

कहा जाने लगा है कि रियासती मंत्रालय सरदार पटेल के पास था तो वे समय रहते जम्मू कश्मीर को देश की संवैधानिक व्यवस्था का हिस्सा क्यों नहीं बना सके? इतिहास गवाह है कि नेहरू ने कश्मीर का मसला पटेल से छीन कर अपने हाथ में ले लिया था।

...सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण से स्पष्ट हो जाता है कि पटेल भारत की आत्मा को पहचानते थे।...चीन के संभावित आक्रमण और तिब्बत की स्थिति को लेकर पटेल ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा था। उसके एक मास बाद ही पटेल का देहान्त हो गया। आज फिर सरदार पटेल का मूल्यांकन शुरू हुआ है। डॉ. राकेश कुमार शर्मा और डॉ. राजकुमार बधाई के पात्र हैं जिन्होंने इन शोधपरक आलेखों को संजोने का काम किया है।

आचार्य (डॉ.) **कुलदीप चन्द अग्निहोत्री**
पूर्व कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय
विश्वविद्यालय, धर्मशाला

लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल

जीवन-दर्शन व राष्ट्र-निर्माण में भूमिका

संपादक

डॉ. राकेश कुमार शर्मा

सह-संपादक

डॉ. राजकुमार

देवयानी पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

दिल्ली

देवयानी पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
781, ग्राउंड फ्लोर, बागवान अपार्टमेंट
सेक्टर-28, रोहिणी, दिल्ली-110042
दूरभाष : 09868773692
E-mail: devyanipublishers1982@gmail.com

प्रथम संस्करण : 2022

© संपादक

आई.एस.बी.एन. 978-81-93751-01-0

शब्दांकित : शिवानी कम्प्यूट्स, दिल्ली
E-mail: sunilsharma71@yahoo.com

मुद्रक : मिलन इंटरप्राइजेज, नई दिल्ली

भारत में मुद्रित

देवयानी पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 781, ग्राउंड फ्लोर, भगवान अपार्टमेंट, सेक्टर-28, रोहिणी, दिल्ली-110042 द्वारा प्रकाशित। शिवानी कम्पयूट्र्स, दिल्ली 110093 द्वारा शब्दांकित एवं मिलन इंटरप्राइस, दरियागंज में मुद्रित।

अनुक्रम

भूमिका 9

1. राष्ट्र प्रथम की अवधारणा और सरदार पटेल का जीवन दर्शन 15
   —*डॉ. सुरेन्द्र डी. सोनी*
2. लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों में भारत का विभाजन व मुस्लिम साम्प्रदायिकता 51
   —*डॉ. चेतराम गर्ग*
3. पंजाब पहाड़ी रियासतों के विलय में सरदार पटेल का योगदान 63
   —*डॉ. ओमप्रकाश शर्मा*
4. सरदार वल्लभ भाई पटेल : खेड़ा और अहमदाबाद (किसान मजदूर) आंदोलन 71
   —*डॉ. धर्मचंद चौबे*
5. भारतीय-संघ के निर्माण में उत्तर भारतीय क्षेत्र के एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान 77
   —*डॉ. प्रशान्त गौरव*
6. भारत के राजनीतिक एकीकरण में सरदार बल्लभ भाई पटेल की भूमिका 88
   —*डॉ. शान्तिदेव सिसोदिया एवं राकेश कुमार*
7. सरदार पटेल और प्रांतीय राज्य : जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में 100
   —*डॉ. निहारिका सुभाष*
8. राष्ट्र निर्माण के सूत्रधार : सरदार वल्लभभाई पटेल 115
   —*डॉ. शिव भारद्वाज एवं डॉ. राकेश कुमार शर्मा*

9. भारत, इटली और जर्मनी के एकीकरण का तुलनात्मक अध्ययन 124
—प्रो. अनूप कुमार
10. भारत विभाजन का प्रश्न एवं सरदार पटेल 133
—डॉ. ज्योति एवं ऋषि कुमार
11. अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान : एक पुनरावलोकन 150
—लक्की शर्मा
12. सरदार वल्लभ भाई पटेल स्मृति में स्थापित 75 संस्थान व स्मारक 158
—डॉ. राजकुमार
13. The Role of Sardar Patel in the Upliftment of Women 167
—Dr. Vasant Patel
14. An Iron Man, Known For Visionary Administration; Freedom Fighter and Unification of India: Sardar Vallabhbhai Patel 176
—Dr. Sumer Khajuria
15. Closeness of Sardar Patel Towards Society 197
—Rajnikant P. Parsaniya
16. Sardar Vallabhbhai Patel and Political Integration of India 206
—Ankit Mishra

10

भारत विभाजन का प्रश्न एवं सरदार पटेल

डॉ. ज्योति एवं ऋषि कुमार***

भूमिका

सरदार वल्लभ भाई पटेल भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के एक अग्रणी नेता थे। एक कुशल संगठनकर्ता के साथ-साथ एक सच्चे राष्ट्रभक्त की उनकी छवि रही है। जिसने देश को एकता के सूत्र में बांधने जैसा महती कार्य किया। उनके यक्ष प्रयास ही थे कि विभाजन की त्रासदी जेलने के तुरंत बाद अनके रियासतों में बंटे भारत को एकता के सूत्र में बांधा। उनके सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन में भारत की महानता और एकता ही उनका मार्गदर्शकरही।

सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात प्रान्त के बोरसद ताल्लुके के करमसद गाँव में हुआ था। पिता झबेर भाई पेशे से साधारण किसान थे।झबेर भाई अत्यधिक साहसी, संयमी और वीर पुरुष थे।1857 की क्रांति के समय वे युवावस्था में ही रानी झाँसी की सेना में भर्ती होकर अंग्रेजो के विरुद्ध लड़े थे। इनकी माता का नाम लाडभाई था। पटेल के चार भाई और एक बहन थी। इनका वंश भगवान रामचन्द्र

* सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सप्त सिन्धु परिसर देहरा-177101 Email: jprashar7@gmail-com

** शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सप्त सिन्धु परिसर देहरा-177101 Email: rishi.cuhp11@gmail-com